Title: Need to take steps to include Bodo language in the Eighth Schedule of the Constitution.

SHRI SANSUMA KHUNGGUR BWISWMUTHIARY (KOKRAJHAR): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I am very much thankful for giving me an opportunity here.

मैं एक गम्भीर मुद्दे के बारे में भारत सरकार की दृष्टि आकर्षण करना चाहता हूं। वह मुद्दा है कि हिन्दुस्तान के ज्यादातर लोग कृष्ण को भगवान के रूप में मानते हैं, उनकी पूजा करते हैं, लेकिन आज भगवान कृष्ण के ससुर, सास, साले, सालियों की भाषा, जो बोड़ो भाषा है, उस बोड़ो भाषा की दुरावस्था की ओर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। आज तक हिन्दुस्तान की टोटल १८ लैंग्वेजेज़ को, भाषाओं को संविधान की अष्टम अनुसूची में अन्तर्विष्ट किया गया है। लेकिन हमारी इतनी समृद्धशाली बोड़ो भाषा को आज तक भी, स्वराज मिलने के ५२ साल बीत जाने के बाद भी भारतीय संविधान की अष्टम अनुसूची में अन्तर्विष्ट नहीं किया गया है। इससे हमारे बोड़ो लोगों को बहुत तकलीफ है। भारत सरकार को तुरन्त इस भाषा को भी भारतीय संविधान की अष्टम अनुसूची में अन्तर्विष्ट करना चाहिए, क्योंकि हिन्दुस्तान की जितनी भाषाओं को एर्थ शैडयूल में अन्तर्विष्ट किया गया है, उनमें एक भी ट्राइबल भाषा को आज तक अन्तर्विष्ट नहीं किया गया है।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: What do you want the Government to do?

SHRI SANSUMA KHUNGGUR BWISWMUTHIARY : I want the Government of India to take concrete steps to include Bodo language in the Eighth Schedule of the Constitution without any further delay. Thank you.